• बाल कविताएं...

आ भी जाओ पीने पानी...

चिड़िया रानी चिड़िया रानी,
आ भी जाओ पीने पानी।
छत पर रखे सकोरे मैंने।
आओ नहा लो फैला डैने।
साथ सभी मित्रो को लाना।
पानी पीकर प्यास बुझाना।
मित्र तुम्हारे प्यासे भूखे।
होंगे कण्ठ सभी के रूखे।
भरे सकोरे आकर देखो।
जल में चोंच डुबाकर देखो।
कुछ किल्लोल करो पानी में।
मजा आएगा शैतानी में।
धूप देखकर डर मत जाना।
उड़ते-उड़ते छत पर आना।
छाया में सब रखे सकोरे।
पानी पीना धीरे धीरे।
दादा सोच रहे हैं बैठे।
प्यास बुझे चिड़ियों की कैसे।
दादी ने डाले हैं दाने।
भेजा न्योता तुम्हें बुलाने।

■ प्रभुदयाल श्रीवास्तव

अकड़...

अकड़-अकड़ कर
क्यों चलते हो
चूहे चिंटूराम,
गर बिल्ली ने
देख लिया तो
करेगी काम तमाम,
चूहा मुक्का तान कर बोला
नहीं डरूंगा दादी
मेरी भी अब हो गई है
इक बिल्ली से शादी।

■ दीनदयाल शर्मा

• चुटकुले...

टीचर- कल मैं सूरज पर लैक्चर देने जा रही हूं, तुम लोग क्लास मिस मत करना।
पप्पू-लेकिन मैं नहीं आ पाऊंगा मैडम..
टीचर-क्यूं
पप्पू-वो क्या है कि मेरी मम्मी मुझे इतनी दूर नहीं जाने देंगी।
टीचर गुस्से में- पप्पू यहां मैं पढ़ा रही हूं और तुम बाते कर रहे हो?
पप्पू, टीचर से-यहां हम बातें कर रहे हैं और आप हमें पढ़ाने में लगी हैं!

• जानकारी...

दुनिया की सबसे खतरनाक जेल

दुनिया के हर देश में जेल होती है। भारत में भी बहुत सारी जेल हैं। जेल में कैदियों को बंद किया जाता है, ताकि वह समाज से दूर रह सकें और समाज को कोई खतरा न पहुंच सके। इसके अलावा जो लोग अपराध करते हैं। उन्हें सजा के तौर पर जेल में भेजा जाता है। भारत में बात की जाए तो 1319 जेल है। साल 2021 के एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक इनमें 4,25,60,9 कैदियों को रखा जा सकता है।
इन जेलों में बात की जाए तो 145 सेंट्रल जेल हैं। इसके अलावा 415 जिला जेल हैं। तो वहीं 565 उप-जेल हैं। 88 ओपन जेल, 44 स्पेशल जेल, 29 महिला जेल, और 19 बाल सुधार गृह हैं। भारत में सबसे ज्यादा जेल राजस्थान और तमिलनाडु में हैं। क्या आपको पता है भारत की सबसे खतरनाक जेल कहां हैं। क्यों नहीं जाना चाहते यहां खूंखार कैदी। चलिए आपको बताते हैं।
भारत में सबसे खतरनाक जेल अंडमान निकोबार में हैं। इस जेल का नाम है सेल्यूलर जेल। जिसे काला पानी की जेल कहा जाता है। यह जेल देश की सबसे खतरनाक जेल मानी जाती है। अंडमान निकोबार के पोर्ट ब्लेयर में यह जेल है। आजादी से पहले इस जेल में देश के बहुत से स्वतंत्रता सेनानियों को कैदी बनाकर रखा गया था। उन पर बहुत से अत्याचार किए थे। इस जेल में एक बार जाने वाला कैदी कभी वापस नहीं आ पाता था और यही वजह थी कि इस जेल को काला पानी की सजा कहा जाता था। इस जेल को अंग्रेजों ने साल 1896 में बनवाना शुरू किया था। 10 साल बाद साल 1906 में यह जेल बनकर तैयार हुई थी।
अंडमान और निकोबार में बनी सेल्यूलर जेल को काला पानी की जेल कहा जाता था। दरअसल इसका नाम काला पानी इसलिए रखा गया था। क्योंकि यह बीच समुद्र में बनी थी। इस जेल के चार और समुद्र था। अगर कोई यहां से भागने की कोशिश भी करता, तो उसमें भी वह कामयाब नहीं हो पता था। आजादी से पहले अंग्रेजों ने इस जेल में भारत के बड़े स्वतंत्रता सेनानियों को कैद करके रखा। ताकि वह आजादी के आंदोलन में भाग ना ले सकें। बता दें विनायक दामोदर सावरकर को भी साल 1909 में काला पानी की सजा दी गई थी।

• असमिया लोक-कथा

अनमोल राय

बहुत समय पहले की बात है, सिलचर के समीप एक गाँव में जयंत फुकन रहता था।

उसके माता-पिता बहुत अमीर थे। अतः उसे पैसे की कोई कमी न थी।

एक दिन वह चाचा के पोते की शादी में दूर गाँव गया। विवाह के पश्चात वह वहीं रुक गया। अगले दिन वह हाट में गया। वहाँ की रौनक देखकर उसे बड़ा मजा आया।

शाम होते ही सभी दुकानदार लौटने लगे किंतु एक व्यक्ति चुपचाप दुकान लगाए बैठा था। जयंत ने हैरानी से पूछा, 'अरे भई, तुम घर नहीं जाओगे?

वह दुकानदार मायूसी से बोला, 'मेरी सलाह नहीं बिकी, उसे बेचकर ही जाऊँगा।'

'कौन-सी सलाह, कैसी सलाह?'

'पहले कीमत तो चुकाओ।' दुकानदार ने हाथ नचाते हुए कहा।

'कितने पैसे लगेंगे?' जयंत ने लापरवाही से पूछा।

'एक सलाह का एक हजार रुपया लगेगा, मेरे पास दो ही हैं।'

उसकी बात सुनकर जयंत को हँसी आ गई। भला सलाह भी खरीदी जाती है? परंतु जाने जयंत के मन में क्या आया, उसने दो हजार रुपए गिनकर उसके सामने रख दिए।

दुकानदार हिल-हिलकर बोला-

काँटेदार बाड़ न लगाना
घरवाली को राज न बताना
नहीं तो पीछे पड़ेगा पछताना।

जयंत ने उसकी सलाह याद कर ली! घर पहुँचा तो पत्नी दरवाजे पर खड़ी मिली। बाग का माली भी वहीं था। वह माली से दरवाजे के ऊपर बाड़ लगवा रही थी। जयंत को नई-नई सलाह याद थी। उसने पत्नी को वह बाड़ लगाने से मना किया। दो हजार रुपए वाली बात भी बताई। उसकी पत्नी खिलखिलाकर हँस दी।

अरे, इतने रुपए पानी में बहा आए। मेरे लिए जेवर बनवा देते।' जयंत चुपचाप भीतर आ गया। उसे अपनी गलती पर क्रोध आ रहा था। ठीक ही तो कहा पत्नी ने, दो हजार रुपए गँवा दिए।

उस रात जयंत को सोते-सोते विचार आया, 'क्यों न, इन सलाहों को आजमाया जाए।'

उसने एक सूअर के बच्चे का सिर काटकर जंगल में छिपा दिया। फिर खून से सना चाकू, पत्नी को दिखाकर बोला, 'अरी, मुझसे एक आदमी का खून हो गया है।'

जयंत की पत्नी के पेट में बात पचना आसान न था। वह मटका लेकर पनघट पर जा पहुँची। वहाँ वह अपने पति की बहादुरी की डींगें हाँकने लगी। एक सखी ने ताना दिया, 'अरी सोनपाही, बहुत बड़ाइयाँ कर रही है। ऐसा कौनसा बड़ा काम कर दिया तेरे पति ने?'

जयंत की पत्नी सोनपाही ने पीछे हटना नहीं सीखा था। बात में नमक-मिर्च लगाकर, उसने शान से सबको बताया कि जयंत ने एक आदमी का खून करके उसकी लाश जंगल में छिपा दी है।

शाम होते-होते पूरे गाँव में यह खबर फैल गई। जयंत खेत से लौट रहा था।

जयंत कुछ समझ नहीं पाया। अगले दिन राजा का बुलावा आ पहुँचा। हड़बड़ाहट में जयंत घर से निकला। दरवाजे की कंटीली बाड़ में उसके सिर की पगड़ी गिर गई।

राजा के दरबार में नंगे सिर जाने की सख्त मनाही थी। जयंत को देख, राजा गुस्से से भर उठा। तब जयंत को याद आई वह सलाह-
'काँटेदार बाड़ न लगाना!'

फिर राजा ने उससे गरजकर पूछा, 'तुमने एक आदमी का खून किया है?'

जयंत ने हकलाते हुए उत्तर दिया, 'जी मैं ... नहीं ... ।'

'क्या मैं ... मैं लगा रखी है। स्वयं तुम्हारी पत्नी, उस खून की गवाह है।'

जयंत के कानों में गूँजने लगा।

'घरवाली को राज न बताना।
नहीं तो पीछे पड़ेगा पछताना।'

वह खिलखिलाकर हँस दिया। उसने राजा को समझाया कि किस तरह उसने सलाहों की परीक्षा लेनी चाही। राजा से आज्ञा लेकर वह जंगल में से सूअर का कटा हुआ सिर ले आया। राजा ने सारी बात सुनी तो वह हँसते-हँसते लोटपोट हो गया।

जयंत को ढेरों ईनाम देकर विदा किया गया। सोनपाही कुछ नहीं जान पाई, परंतु जयंत ने उन सलाहों को सारी उम्र अमल में लाने का निश्चय कर लिया।

-समाप्त

जयंत ने उसकी सलाह याद कर ली! घर पहुँचा तो पत्नी दरवाजे पर खड़ी मिली। बाग का माली भी वहीं था। वह माली से दरवाजे के ऊपर बाड़ लगवा रही थी। जयंत को नई-नई सलाह याद थी।

उसने पत्नी को वह बाड़ लगाने से मना किया। दो हजार रुपए वाली बात भी बताई। उसकी पत्नी खिलखिलाकर हँस दी। अरे, इतने रुपए पानी में बहा आए। मेरे लिए जेवर बनवा देते।' जयंत चुपचाप भीतर आ गया। उसे अपनी गलती पर क्रोध आ रहा था...

• रोचक...

मोबाईल सिम

आपका सिम बहुत कम संख्या में कॉन्टेक्ट नंबर स्टोर करता है, लेकिन इससे यह पता करना बेहद आसान होता है कि आपका मोबाइल कहां है और किस नेटवर्क से जुड़ा है, लेकिन क्या इससे ज्यादा जानकारी आपके सिम में स्टोर होता है? दरअसल आपका फोटो और पर्सनल डेटा जैसे कि एप्प, फाइल्स और अन्य मीडिया सिम कार्ड में स्टोर नहीं होता है। यह आमतौर पर आपके फोन के इंटरनल स्टोरेज में स्टोर होता है या फिर मेमरी कार्ड में होता है, लेकिन सिम में यह डेटा स्टोर नहीं होता है। इस तरह अगर आपका फोन खो जाए तो आप आसानी से अपने सिम कार्ड को बदल सकते हैं। इसमें आपके फोटोज और अन्य पर्सनल डेटा का नुकसान नहीं होगा, लेकिन आपको यह जानकारी होनी चाहिए कि आपका सिम बहुत कम संख्या में कॉन्टेक्ट नंबर स्टोर करता है।

• आलू...

भारत में सबसे ज्यादा आलू उत्तर प्रदेश के बाद किस राज्य में होता है? दरअसल इस फेहरिस्त में दूसरे नंबर पर पश्चिम बंगाल है। उत्तर प्रदेश के बाद पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा आलू का उत्पादन होता है। पश्चिम बंगाल की मिट्टी और जलवायु आलू के उत्पादन के लिए अनुकूल मानी जाती है। वहीं, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के बाद तीसरे नंबर पर बिहार है। ऐसा माना जाता है कि उत्तर प्रदेश में आलू की खेती के लिए अनुकूल जलवायु और उपजाऊ मैदान हैं।